Resource: मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

License Information

मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Words, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

आ

आ पड़े, आंशिक, आग्रह करना, आज्ञा/आदेश, आत्मा, आदम, आदर, आनन्द, आनन्द, आमीन, आमोस, आमोस, आयु, आराधनालय, आशा, आशीष देना, आशेर, आसा, आसाप, आसिया, आहाब, आहेर, आह्वान के लिए कॉल

आ पड़े

परिभाषा:

"आ पड़े" और "घेरना" का संदर्भ किसी मनुष्य या किसी वस्तु को वश में कर लेने से है। इसमें विचार यह है, पीछा करके पहुंचना।

- जब सेना किसी और दुश्मन सेना को घेर लेती है तो इसका अर्थ है कि उन्होंने उस सेना को युद्ध में पराजित कर दिया।
- जब शिकारी शिकार को घेर लेता है तो इसका अर्थ है कि उसने पीछा करके शिकार को पकड़ लिया।
- यदि किसी पर श्राप आ पड़े तो इसका अर्थ है कि श्राप में जो कुछ कहा गया था वह उसके साथ होता है ।
- यदि मनुष्यों पर आशिष आती है तो इसका अर्थ है कि वे आशीषों का अनुभव कर रहे हैं।
- प्रकरण के अनुसार "घेरना" का अनुवाद "जीतना" या "बन्दी बनाना" या "पराजित करना" या "पकड़ लेना" या "पूर्णतः प्रभावित करना" हो सकता है।
- पूर्वकालिक क्रिया "आ पड़ी" का अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "पकड़ लिया" या "साथ आ गया" या "जीत लिया" या "पराजित कर दिया" या "हानि कर दी।"
- जब चेतावनी दी जाए कि अन्धकार या दण्ड या भय मनुष्यों के पापों के कारण आ पड़ेगा तो इसका अर्थ है कि यदि वे पापों से न फिरे तो उन्हें इन नकारात्मक बातों का अनुभव होगा।
- "मेरे वचन तुम्हारे पितरों पर आ पड़े है" का अर्थ है कि यहोवा ने उनके पूर्वजों को जो शिक्षाएं दी थी उनके कारण उन्हें दण्ड मिलेगा क्योंकि वे उन शिक्षाओं का पालन करने में असफल रहे।

(यह भी देखें: आशिष देना, धिक्कारने लगा, शिकार, दण्ड)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 25:4–5
- यूहन्ना 12:35

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0579, H0935, H1692, H4672, H5066, H5381, G26380, G29830

आंशिक

परिभाषा:

"पक्षपात करना" और "पक्षपात", इनका सन्दर्भ है, कुछ लोगों को अन्यों से अधिक महत्व देना का चुनाव करना।

- यह वैसा ही है जैसा किसी को कृपापात्र बनाना अर्थात, कुछ लोगों के साथ अन्यों की अपेक्षा अधिक अनुग्रहीत व्यवहार करना।
- पक्षपात या विशेष अनुग्रह प्रकट करना अधिकतर इसलिए किया जाता है कि मनुष्य अधिक धनवान है या अन्यों से अधिक प्रतिष्ठित है।
- बाइबल अपने लोगों को उपदेश देती है कि वे धनवानों तथा प्रतिष्ठित जनों के प्रति पक्षपाती न हों।
- रोम की कलीसिया को लिखे पत्र में पौलुस कहता है कि परमेश्वर पक्षपात नहीं करता है वह निष्पक्ष न्याय करता है।
- याकूब के पत्र में भी यही शिक्षा दी गई है कि धनवानों को अधिक उत्तम स्थान देना या उनके साथ अधिक विनम्र व्यवहार करना उचित नहीं है।

(यह भी देखें: पक्ष धरना)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 1:17
- मलाकी 2:9
- मरकुस 12:13–15
- मत्ती 22:16
- रोमियो 2:10–12

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5234, H6440, G991, G1519, G2983, G4299, G4382, G4383

आग्रह करना

परिभाषा:

"आग्रह करना" अर्थात् उचित काम करने के लिए प्रबल प्रोत्साहन देना और प्रबोधन करना| ऐसी उत्प्रेरणा को आग्रह करना कहते हैं।

- “उपदेश देने” का उद्देश्य है मनुष्यों को पाप का त्याग करके परमेश्वर की इच्छा पर चलने के लिए प्रेरित करना।
- नये नियम में विश्वासियों को शिक्षा दी गई है कि एक दूसरे को कठोर एवं खडी बोली में नहीं वरन प्रेमपूर्वक समझाएं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “आग्रह करना” का अनुवाद “प्रबल प्रबोधन” या “कायल करना” या “परामर्श देना” भी हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न लगे कि समझाने वाला क्रोधित है। इस शब्द से शक्ति एवं गंभीरता प्रकट हो परन्तु क्रोधपूर्ण भाषा का संदर्भ न हो।
- अधिकांश प्रकरणों में "आग्रह करने" का अनुवाद “प्रोत्साहन” से भिन्न होना है जिसका अर्थ है प्रेरित करना, विश्वास दिलाना, या शान्ति देना है।
- इस शब्द का अनुवाद “झिड़कना” से भी भिन्न होना है जिसका अर्थ है अनुचित व्यवहार के लिए चेतावनी देना, या सुधारना है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 2:3–4
- 1 थिस्सलुनीकियों 2:12
- 1 तीमुथियुस 5:2
- लूका 3:18

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G38670, G38700, G38740, G43890

आज्ञा/आदेश

परिभाषा:

आज्ञा एक नियम या घोषणा है। "आज्ञा" शब्द का अर्थ आदेश देना है जिसका पालन करना अनिवार्य है। आज्ञा को "आदेश" भी कहा जा सकता है।

- एक "आज्ञा" एक "नियम" के समान है, लेकिन सामान्यतः लिखित की अपेक्षा उच्चारित शब्दों के सन्दर्भ में होत्ती है।
- शब्द "आज्ञा" का अनुवाद हो सकता है, "नियम देना" या "आदेश देना" या "औपचारिक रूप से अनिवार्यता" या "सार्वजनिक कानून बनाना"
- परमेश्वर के नियमों को भी आदेश, व्यवस्था और आज्ञाएं कहते हैं।
- मानवीय शासक द्वारा आज्ञा का एक उदाहरण है, कैसर ऑगुस्तुस की आज्ञा थी की रोमी साम्राज्य में हर एक मनुष्य अपने जन्म स्थान जाकर जनगणना में नाम लिखवाए।

(यह भी देखें: आदेश, घोषित करना, व्यवस्था, प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 15:13–15
- 1 राजा 8:57–58
- प्रे.का. 17:5–7
- दानिय्येल 2:13
- एस्तेर 1:22
- लूका 2:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0559, H0633, H1697, H5715, H1504, H1510, H1881, H1882, H1696, H2706, H2708, H2710, H2711, H2782, H2852, H2940, H2941, H2942, H3791, H3982, H4055, H4406, H4687, H4941, H5407, H5713, H6599, H6680, H7010, H8421, G13780

आत्मा

परिभाषा:

“आत्मा” मनुष्य का वह अलौकिक भाग है जो दिखाई नहीं देता है। मरने के समय आत्मा शरीर को छोड़ देती है। “आत्मा” शब्द स्वभाव या मानसिक अवस्था को भी दर्शाता है। बाइबिल के समय में, किसी व्यक्ति की आत्मा की अवधारणा का किसी व्यक्ति की सांस की अवधारणा से गहरा संबंध था।

शब्द "हवा" का भी उल्लेख कर सकता है, अर्थात, प्राकृतिक
दुनिया में हवा की गति।

- शब्द "आत्मा" एक ऐसे प्राणी आत्मा के सन्दर्भ में भी हो सकता है जिसके पास एक भौतिक शरीर नहीं है, जैसे दुष्टात्मा।
- “आत्मिक” इस शब्द का सामान्य अर्थ है, अलौकिक संसार की बातें।
- “की आत्मा” इस उक्ति का अर्थ है, “का सा चरित्र” जैसे “बुद्धि की आत्मा” या “एलिय्याह की आत्मा में”। मनुष्य के स्वभाव और भावना के परिप्रेक्ष्य में “आत्मा” का संदर्भ होगा, “भय की आत्मा” या “ईर्ष्या की आत्मा”
- यीशु ने कहा कि परमेश्वर आत्मा है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “आत्मा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अलौकिक प्राणी” या “आन्तरिक भाग” या “आन्तरिक मनुष्यत्व”।
- कुछ संदर्भों में “आत्मा” का अनुवाद “दुष्टात्मा” या “दुष्ट आत्मिक प्राणी” हो सकता है।
- कभी-कभी “आत्मा” शब्द मनुष्य की भावना को व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है जैसे “मेरी आत्मा भीतर ही भीतर व्याकुल थी”। इसका अनुवाद “मेरी आत्मा दुःखित थी” या “मुझे गहरा दुख” हो सकता है।
- “की आत्मा” का अनुवाद हो सकता है, “का चरित्र” या “का प्रभाव” या “का स्वाभाव” या “के द्वारा चरित्र-लक्षण प्रभावित"
- संदर्भ के आधार पर, "आत्मिक" का अनुवाद हो सकता है, "अलौकिक" या "पवित्र आत्मा से" या "परमेश्वर" या "अलौकिक संसार का भाग"
- इस अभिव्यक्ति "आध्यात्मिक परिपक्वता" का अनुवाद हो सकता है, "ईश्वरीय स्वभाव जो पवित्र आत्मा का आज्ञाकारी है"
- "आध्यात्मिक वरदान" का अनुवाद हो सकता है, "पवित्रात्मा प्रदत्त विशेष योग्यता"
- कभी-कभी इस शब्द का अनुवाद, "हवा" भी हो सकता है, जब हवा चलने का सन्दर्भ हो या "सांस"" हो सकता है जब जीवित प्राणियों द्वारा वायु प्रवाह का संदार्ब हो|

(यह भी देखें: दुष्टात्मा, पवित्र आत्मा, प्राण, सांस)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 5:5
- 1 यूहन्ना 4:3
- 1 थिस्सलुनीकियों 5:23
- प्रे.का. 5:9
- कुलुस्सियों 1: 9
- इफिसियों 4:23
- उत्पत्ति 7:21–22
- उत्पत्ति 8:1
- यशायाह 4: 4
- मरकुस 1:23–26
- मत्ती. 26:41
- फिलिप्पियों 1:27

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **13:3** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को **आत्मिक** रूप से तैयार करे ,जब परमेश्वर सीनै पर्वत पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पर्वत पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का बड़ा भारी शब्द हुआ |
- **40:7** तब यीशु ने पुकार कर कहा, "पूरा हुआ! हे पिता, मैं अपनी **आत्मा** तेरे हाथों में सौंपता हूँ |" तब यीशु का सिर झुक दिया, और उसने अपनी आत्मा को परमेश्वर के हाथ में सौंप दिया |
- **45:5** जब स्तिफनुस मरने पर था, वह प्रार्थना करने लगा कि, "हे प्रभु यीशु मेरी **आत्मा** को ग्रहण कर |"
- **48:7** सभी लोगों का समूह यीशु के कारण आशीषित हुआ, क्योंकि हर कोई जिसने यीशु पर विश्वास करने लगा और अपने पापों से छुटकारा पाया, और अब्राहम का एक **आत्मिक** वंशज बना |

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H178, H1172, H5397, H7307, H7308, G4151, G4152, G4153, G5326, G5427

आदम

तथ्य:

आदम पहला मनुष्य था जिसे परमेश्वर ने बनाया था. वह और उसकी पत्नी हव्वा परमेश्वर के रूप में सृजे गए थे.

- परमेश्वर ने आदम को मिट्टी से बनाकर उसमें जीवन की सांस फूंकी थी|
- आदम शब्द इब्रानी भाषा में "लाल मिट्टी" या "धरती" शब्दों के जैसा सुनाई देता है|
- "आदम" शब्द वैसा ही है जैसा पुराने नियम में "मानवजाति" या "मनुष्य" के लिए शब्द हैं|
- संपूर्ण मानवजाति आदम और हव्वा के वंशज हैं
- आदम और हव्वा ने परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी| इस कारण वे परमेश्वर से अलग किए गए और संसार में पाप और मृत्यु के आने का कारण हुए.

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: मृत्यु, वंशज, हव्वा, परमेश्वर का रूप, जीवन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 2:14
- उत्पत्ति 3:17
- उत्पत्ति 5:01
- उत्पत्ति 11:5
- लूका 3:38
- रोमियो 5:15

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **1:9** फिर परमेश्वर ने कहा, "हम मनुष्य को अपने स्वरूप में हमारे जैसा बनायेंगे."
- __1:10__इस आदमी का नाम **आदम** था. परमेश्वर ने **आदम** के रहने के लिये एक वाटिका बनाई, और वाटिका की देखभाल करने के लिये उसे वहाँ रख दिया.
    - **1:12** फिर परमेश्वर ने कहा "आदमी का अकेला रहना अच्छा नहीं है." परन्तु जानवरों में से कोई भी **आदमी** का सहायक नहीं बन सकता था.
- **2:11** और परमेश्वर ने जानवर की खाल से **आदम** और हव्वा को वस्त्र पहनाए.
- **2:12** और परमेश्वर ने **आदम** और हव्वा को उस सुंदर वाटिका से बाहर भेज दिया.
- **49:8** जब **आदम** और हव्वा ने पाप किया तो उनके वंशज सब प्रभावित हुए.
- **50:16** क्योंकि **आदम** और हव्वा ने परमेश्वर की आज्ञा का उलंघन किया और इस दुनिया में पाप को लाए, इसलिये परमेश्वर ने पाप को श्राप दिया और उसे नष्ट करने का निर्णय लिया.

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0120, G00760

आदर

परिभाषा:

"आदर" और "आदर करना" का अर्थ है किसी का सम्मान करना, प्रतिष्ठित करना या श्रद्धा अर्पित करना

- आदर उस मनुष्य का किया जा सकता है जो पद में बड़ा हो, महत्वपूर्ण हो जैसे राजा या परमेश्वर।
- परमेश्वर ने मसीहियों को निर्देश दिया कि दूसरों का आदर करें।
- सन्तान से अपेक्षा की गई है कि अपने माता-पिता का आदर करें जिसमें उसके सम्मान एवं आज्ञापालन की अपेक्षा भी की गई है।
- "आदर" और महिमा शब्दों के साथ-साथ काम में लिया गया है, विशेष करके यीशु के संदर्भ में। एक ही बात को कहने के ये दो तरीके हैं।
- परमेश्वर का आदर करने का अर्थ है उसे धन्यवाद कहना और उसकी स्तुति करना तथा उसकी आज्ञा मानकर सम्मान प्रगट करना तथा ऐसा जीवन जीना जिससे प्रकट हो कि वह कैसा महान है।

अनुवाद के सुझाव:

- "आदर" के अन्य अनुवाद रूप हैं, "किसी को विशेष सम्मान दिखाना" या "प्रतिष्ठा दर्शाना" या "उच्च सम्मान देना"
- "आदर करना" का अनुवाद हो सकता है, "विशेष सम्मान करना" या "प्रशंसा करना" या "उच्च प्रतिष्ठा दर्शाना" या "महान महत्व प्रकट करना"

(यह भी देखें: अपमान, महिमा, स्तुति करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 2:8
- प्रे.का. 19:17
- यूहन्ना 4:44
- यूहन्ना 12:26
- मरकुस 6:4
- मत्ती 15:6

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1420, H1921, H1922, H1923, H1926, H1927, H1935, H2082, H2142, H3366, H3367, H3368, H3372, H3373, H3374, H3444, H3513, H3519, H3655, H3678, H5081, H5375, H5457, H6213, H6286, H6437, H6942, H6944, H6965, H7236, H7613, H7812, H8597, H8416, G08200, G13910, G13920, G17840, G21510, G25700, G31700, G44110, G45860, G50910, G50920, G50930, G53990

आनन्द

परिभाषा:

"प्रसन्न होना" अर्थात बहुत आनन्दित होना या अति हर्षित होना।

- “में आनन्द लेना” अर्थात “में सुखी होना” या “के बारे में खुश होना”। यदि कोई मनुष्य किसी बात से "आनंदित" होता है तो इसका अर्थ है कि वह उस बात में अत्यधिक आनंद लेता है।* जब कोई बात अत्यधिक सहमति के योग्य हो या मनभावन हो तो उसे “प्रसन्नता” कहते हैं।
- किसी मनुष्य की प्रसन्नता किसी बात में है तो इसका अर्थ है कि वह उससे अति आनन्दित है।
- “वह तो यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न रहता है” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा की व्यवस्था मुझे असीम आनन्द प्रदान करती है”, या “मैं परमेश्वर के नियमों का पालन करने से प्रसन्न होता हूँ” या “यहोवा की आज्ञाओं का पालन करके मुझे आनन्द प्राप्त होता है।”
- “प्रसन्न नहीं होता है” और “आनन्द नहीं पाता है” इनका अनुवाद हो सकता है, “कदापि प्रसन्न नहीं” या “उससे प्रसन्न नहीं।”
- “प्रसन्न रहता है” अर्थात “उसे करने में आनन्द प्राप्त होता है” या “वह बहुत खुश होता है”।
- शब्द "प्रसन्न" उन चीजों को संदर्भित करता है जिनका मनुष्य आनन्द उठाता है। इसका अनुवाद “सुख” या “चीज़ें जो जो सुख देती हैं” के रूप में किया जा सकता है।
- “तेरी इच्छापूर्ति मेरा आनन्द है”, इसका अनुवाद हो सकता है, “मुझे तेरी इच्छा के अनुसार चलने में प्रसन्नता होती है”, “तेरी आज्ञा मानकर मुझे बहुत सुख प्राप्त होता है”।

बाइबल सन्दर्भ:

- नीतिवचन 08:30
- भजन संहिता 001:02
- भजन संहिता 119:69–70
- श्रेष्ठगीत 01:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1523, H2530, H2531, H2532, H2654, H2655, H2656, H2836, H4574, H5276, H5727, H5730, H6026, H6027, H7306, H7381, H7521, H7522, H8057, H8173, H8191, H8588, H8597

आनन्द

परिभाषा:

आनन्द

आनंद परमेश्वर से प्राप्त प्रसन्नता की अनुभूति या गहरा सन्तोष। सम्बन्धित शब्द “आनंदित” एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो अत्यधिक प्रसन्न और गहरे आनंद से पूर्ण है।

- मनुष्य आनंदित तब होता है जब उसे यह अनुभूति होती है कि जिसका वह अनुभव कर रहा है वह बहुत अच्छी है।
- परमेश्वर मनुष्य को सच्चा आनंद प्रदान करता है।
- आनंद मनभावन परिस्थितियों में प्राप्त नहीं होता है। परमेश्वर मनुष्य के जीवन में घोर कठिनाइयों में भी आनंद प्रदान कर सकता है।
- कभी-कभी स्थानों को भी आनंद के कहते हैं जैसे घर और नगर। इसका अर्थ है कि वहां रहने वाले लोग आनंदित हैं।

आनंदित होना

शब्द "आनन्द" का अर्थ खुशी और खुशी से भरा होना है।

- यह शब्द अक्सर परमेश्वर द्वारा की गई अच्छी चीजों के बारे में बहुत खुश होने का उल्लेख करता है।
- इसका अनुवाद "बहुत खुश होना" या "बहुत प्रसन्न होना" या "आनन्द से भरा होना" हो सकता है।
- जब मरियम ने कहा "मेरा प्राण मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर को आनन्दित करता है," उसका मतलब था "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मुझे बहुत आनन्दित किया है" या "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मेरे लिए जो किया है उसके कारण मुझे बहुत आनन्द हो रहा है।"
-

अनुवाद के सुझाव:

- “आनंद” शब्द का अनुवाद “हर्ष” या “प्रसन्नता” या “महान प्रसन्नता” भी हो सकता है।
- “आनंदित रहो” का अनुवाद हो सकता है, “आनंद करना” या “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “परमेश्वर की भलाई में अत्यधिक प्रसन्न होना” जैसी अभिव्यक्ति।
- एक आनंदित मनुष्य को “अत्यधिक प्रसन्न” या “हर्षित” या “बहुत खुश” कह सकते हैं।
- “जय जयकार करो” का अनुवाद हो सकता है, “इस प्रकार चिल्लाओ कि अत्यधिक आनंद प्रकट हो।”
- “आनंदित नगर” या “आनंदित घर” का अनुवाद हो सकता है “वह नगर जिसमें आनंदित लोग रहते हैं” या “आनंदित लोगों से भरा घर” या “जिस नगर के लोग प्रफुल्लित हैं।” (देखें: लक्षणालंकार)

(यह भी देखें: आनन्द करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6–7
- 3 यूहन्ना 01:1–4
- गलातियों 05:22–24
- यशायाह 56:6–7
- याकूब 01:1–3
- यिर्मयाह 15:15–16
- मत्ती 02:9–10
- नहेम्याह 08:9–10
- फिलेमोन 01:4–7
- भजन संहिता 048:1–3
- रोमियो 15:30–32

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **33:07** "वैसे ही जो पथरीली भूमि पर बोए जाते है, ये वह है जो वचन को सुनकर तुरन्त **आनन्द** से ग्रहण कर लेते है।"
- **34:04** "स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया। वह बहुत **आनन्द** से भर गया और जाकर अपना सब कुछ बेच दिया और उस खेत को मोल ले लिया।"
- **41:07** वे स्त्रियाँ भय और बड़े **आनन्द** से भर गई। वे चेलो को यह आनन्द का समाचार देने के लिये दौड़ गई।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H1525, H1750, H2304, H2305, H2898, H4885, H5937, H5947, H5970, H7440, H7442, H7444, H7445, H7797, H8055, H8056, H8057, H8342, H8643, G20, G21, G2167, G2744, G3685, G4640, G5463, G5479

आमीन

परिभाषा:

"आमीन" शब्द किसी की बात पर बल देना या ध्यान आकर्षित करना दर्शाता है। इसका उपयोग प्रायः प्रार्थना के अन्त में होता है। कभी-कभी इसका अनुवाद "सच में" किया जाता है।

- प्रार्थना के अन्त में "आमीन" शब्द प्रार्थना के साथ सहमति या प्रार्थना पूरी होने की इच्छा प्रकट करता है।
- अपनी शिक्षाओं में यीशु ने "आमीन" शब्द के उपयोग द्वारा अपनी बात के सत्य पर बल दिया था। इस शब्द के बाद उसने सदैव कहा, "और मैं तुमसे कहता हूं" कि वह पहले की बात से संबंधित एक और बात कहे।
- जब यीशु "आमीन" शब्द का उपयोग इस प्रकार करता है तो कुछ अंग्रेजी बाइबल (यू. एल. बी. भी) इसका अनुवाद "वास्तव में" या "सच कहता हूं" करती हैं।
- एक और शब्द "सच-सच" का अनुवाद "निश्चय" या "यथा-तथ्य" किया जा सकता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- देखें कि लक्षित भाषा में से कोई विशेष शब्द या कोई वाक्य है जो किसी कही गई बात पर बल देने के काम में ली जाती है।
- प्रार्थना के अन्त में या किसी बात के समर्थन में, "आमीन" अनुवाद किया जा सकता है, "ऐसा ही हो", या "ऐसा होने दे", या "यह सच है"।
- जब यीशु कहता है, " मैं तुमसे सच सच कहता हूं" तो इसका अनुवाद हो सकता है, "हां, मैं सच कहता हूं" या "यह सच है और मैं कहता हूं"।
- "मैं तुमसे सच-सच कहता हूं" का अनुवाद हो सकता है, "मैं तुमसे सच्ची बात कहता हूं" या "मैं सच्ची भावना से तुमसे कहता हूं" या "मैं जो तुमसे कहता हूं वह सच है"

(यह भी देखें: पूरा करना, सत्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 27:15
- यूहन्ना 05:19–20
- यहूदा 01:24–25
- मत्ती 26:33–35
- फिलेमोन 01:23–25
- प्रकाशितवाक्य 22:20–21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H543, G281

आमोस

तथ्य:

आमोस परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता था जो यहूदा के राजा उज्जियाह के राज्य काल में था।

- भविष्यद्वाणी के लिए परमेश्वर द्वारा बुलाए जाने से पहले आमोस यहूदा में एक चरवाहा और अंजीर की खेती करनेवाला था।
- आमोस ने समृद्ध उत्तरी राज्य के लिए भविष्यद्वाणी की थी जो मनुष्यों के साथ उनके अनुचित व्यवहार के विरूद्ध थी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: अंजीर, यहूदा, इस्राएल राज्य, चरवाहा, उज्जियाह)

बाइबल सन्दर्भ:

- आमोस 01:1–2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5986

आमोस

तथ्य:

आमोस भविष्यद्वक्ता यशायाह के पिता का नाम था।

- एकमात्र स्थान जहां उसके नाम का उल्लेख किया गया है वह यशायाह की पहचान के लिए है कि वह "अमोस का पुत्र" था।
- यह नाम भविष्यद्वक्ता आमोस से भिन्न है जिसका स्पष्टीकरण अनिवार्य है।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: आमोस, यशायाह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 19:1–2
- यशायाह 37:1–2
- यशायाह 37:21–23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H531

आयु

परिभाषा:

"आयु" अर्थात मनुष्य का जीवनकाल। इसका उपयोग सामान्य तौर पर समय की अवधि के संदर्भ में भी होता है।

- विस्तारित अवधि को व्यक्त करने के लिए प्रयोग किए जाने वाले दूसरे शब्दों में "काल" और "ऋतु" शामिल हैं।
- यीशु ने वर्तमान समय को जब पृथ्वी पर पाप, बुराई और अवज्ञा बहुत अधिक हो जाएगी, “यह युग” कहा था।
- एक भावी युग भी होगा जब नए आकाश और नई पृथ्वी पर धार्मिकता का राज होगा।

अनुवाद सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “युग” शब्द का अनुवाद, “काल” या “इतने वर्ष की आयु” या “समय सीमा” या “समय” हो सकता है।
- “बहुत अधिक आयु” इस उक्ति का अनुवाद, “कई वर्ष का होकर” या “जब वह बहुत वृद्ध हो गया” या “जब वह बहुत समय जी चुका” हो सकता है।
- “यह वर्तमान बुरा युग” अर्थात “वर्तमान में इस समय के दौरान जब लोग बहुत बुरे हैं”।

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 29:28
- 1 कुरिन्थियों 2:7
- इब्रानियों 6:5
- अय्यूब 5:26–27

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G01650 , G10740

आराधनालय

परिभाषा:

“आराधनालय” वह स्थान था जहां यहूदी लोग परमेश्वर की आराधना हेतु एकत्र होते थे।

- प्राचीन काल से ही, इन आराधनालयों की आराधनाओं में प्रार्थनाओं, धर्मशास्त्र पढ़ना, और शास्त्रों के बारे में शिक्षण का समय होता था।
- यहूदियों ने परमेश्वर से प्रार्थना करने और उसकी उपासना करने के लिए अपने-अपने नगरों में आराधनालयों का निर्माण करना आरम्भ कर दिया था क्योंकि अनेक यहूदी यरूशलेम के मंदिर से बहुत दूर रहते थे।
- यीशु प्रायः आराधनालयों में शिक्षा देता था और लोंगों को चंगा करता था।
- “आराधनालय” शब्द का उपयोग लाक्षणिक भाषा में भी किया गया है जिसका सन्दर्भ वहाँ एकत्र होने वालर आराधकों से है।

(यह भी देखें: चंगा करना, यरूशलेम, यहूदी, प्रार्थना करना, मन्दिर, परमेश्वर का वचन, आराधना)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 6:9
- प्रे.का. 14:1–2
- प्रे.का. 15:21
- प्रे.का. 24:10–13
- यूहन्ना 6:59
- लूका 4:14
- मत्ती 6:1–2
- मत्ती 9:35–36
- मत्ती 13:54

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4150, G06560, G07520, G48640

आशा

परिभाषा:

आशा का अर्थ है, किसी बात के होने की उत्कट अभिलाषा। आशा में निहित अभिप्राय हो सकता है, किसी भावी घटना की निश्चितता या अनिश्चितता|

- बाइबल में, "आशा" शब्द का एक भावार्थ "भरोसा" भी है, जैसा कि "मेरी आशा प्रभु में है।" इसका सन्दर्भ परमेश्वर की प्रतिज्ञा की प्राप्ति की निश्चित प्रत्याशा से है जो उसने अपने लोगों से की है|
- कभी-कभी ULT में इस शब्द का शब्दानुवाद मूल भाषा में, "आत्मविश्वास" किया गया है। ऐसा अधिकतर नए नियम में उन परिस्थितियों में होता है, जहां लोग यीशु में उद्धारकर्ता होने का विश्वास करते हैं, उनमें पूर्ण विश्वास (आत्मविश्वास या भरोसा) है कि परमेश्वर ने जो प्रतिज्ञा की है उसको वे निश्चय ही प्राप्त करेंगे।
- “कोई आशा नहीं” अर्थात किसी अच्छी बात के होने का विश्वास नहीं। इसका अर्थ है कि यह वास्तव में पूर्ण निश्चित है कि ऐसा नहीं होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश संदर्भों में आशा करना का अनुवाद हो सकता है, “इच्छा करना” या “मनोकामना” या “अपेक्षा करना।”
- "आशा करने के लिए कुछ नहीं", इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, "भरोसा करने के लिए कुछ नहीं" या "किसी भी अच्छी बात की प्रत्याशा नहीं है"
- “आशा ही नहीं” का अनुवाद हो सकता है, “किसी भी अच्छी बात की अपेक्षा नहीं होना” या “सुरक्षा नहीं होना” या “निश्चित रूप से जान लेना कि कुछ भी अच्छा नहीं होगा।”
- "की आशा की है"का अनुवाद हो सकता है, "में विश्वास रखा है" या "पर भरोसा रखे हुए है"
- "मुझे आपकी बात सेआशा है" इसका अनुवाद हो सकता है, "मुझे पूरा भरोसा है कि आपका वचन सत्य है" या "आपकी बात मुझे आप पर भरोसा करने में सहायता करती है" या "जब मैं आपके वचन का पालन करता हूँ, तो मुझे धन्य होने का निश्चय हो जाता है"

- परमेश्वर "में आशा" ऐसी उक्तियों का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर पर भरोसा" या "निश्चित जानना के परमेश्वर ने जो प्रतिज्ञा की हैउसको वह पूरी करेगा" या "निश्चय हो जाना कि परमेश्वर विश्वासयोग्य है"

(यह भी देखें: आशीष देना, भरोसा, अच्छा, आज्ञा पालन, भरोसा, परमेश्वर का वचन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 29:14–15
- 1 थिस्सलुनीकियों 2:19
- प्रे.का. 24:14–16
- प्रे.का. 26:6
- प्रे.का. 27:20
- कुलुस्सियों 1:5
- अय्यूब 11:20

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0982, H0983, H0986, H2620, H2976, H3175, H3176, H3689, H4009, H4268, H4723, H7663, H7664, H8431, H8615, G00910, G05600, G16790, G16800, G20700

आशीष देना

परिभाषा:

किसी को “आशीष” देना अर्थात किसी व्यक्ति या वस्तु के लिए अच्छी एवं लाभकारी बात की कामना करना।

- किसी को आशीष देने का अर्थ यह भी हो सकता है, मनुष्य विशेष के लिए अच्छी एवं लाभकारी बात की मनोकामना व्यक्त करना।
- बाइबल के युग में पिता प्रायः अपनी सन्तान को विधिवत आशीष देते थे।
- परन्तु मनुष्य जब परमेश्वर को “धन्य”कहते हैं या इच्छा प्रकट करते हैं किप्रमेश्वर धन्य हो, तो इसका अर्थ है कि वे उसकी स्तुति करते हैं| तब इस शब्द का अभिप्राय है, वे उसका गुणगान कर रहे हैं।
- कभी-कभी “आशीष” शब्द भोजन को खाने से पहले उसे पवित्र करने की प्रक्रिया के लिए या भोजन के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करने एवं स्तुति करने के लिए भी काम में लिया जाता है|

अनुवाद के सुझाव:

- “आशीष देना" का अनुवाद “उदारता से प्रदान करना” या किसी "पर अत्यधिक दया एवं कृपा प्रकट करना” भी हो सकता है।
- “परमेश्वर ने बहुत आशीष दी” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने बहुत भली वस्तुएँ दी” या “परमेश्वर ने बहुतायत से दिया" या "परमेश्वर समृद्धि प्रदान करेगा”।
- “वह आशीषित है” इसका अनुवाद हो सकता है, “वह बहुत लाभ उठाएगा” या “वह अच्छी-अच्छी वस्तुएँ प्राप्त करेगा” या “परमेश्वर उसे समृद्धि प्रदान करेगा”।
- “धन्य है वह पुरूष जो” इसका अनुवाद हो सकता है, “उस मनुष्य के लिए कैसा भला है जो"
- “धन्य है प्रभु परमेश्वर” ऐसी अभिव्यक्तियों का अनुवाद हो सकता है, “प्रभु की स्तुति हो” या “ यहोवा की स्तुति करो” या “मैं परमेश्वर की स्तुति करता हूं”।
- भोजन को आशिष देने के संदर्भ में इसका अनुवाद किया जा सकता है, “भोजन के लिए परमेश्वर का धन्यवाद किया” या “भोजन के लिए परमेश्वर का गुणगान किया” या “परमेश्वर की स्तुति करके भोजन को पवित्र किया”।

(यह भी देखें: स्तुति करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 10:16
- प्रे.का. 13:34
- इफिसियों 1:3
- उत्पत्ति 14:20
- यशायाह 44: 3
- याकूब 1:25
- लूका 6:20
- मत्ती. 26:26
- नहेम्याह 9:5
- रोमियो 4:9

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **1:7** परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा है और उसने उन्हें **आशीर्वाद दिया**।
- **1:15** परमेश्वर ने अपने स्वरूप में आदम और हव्वा को बनाया। उस ने उन्हें **आशीष दी** और उन से कहा, “अनेक संतान और पोतो को जन्म देकर पृथ्वी में भर जाओ!”
- **1:16** इसलिये परमेश्वर जो कुछ वह कर रहा था उन सब से उसने विश्राम लिया। उस ने सातवें दिन को **आशीष दी** और उसे पवित्र किया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम किया था।
- **4:4** "मैं तेरा नाम महान करूँगा। जो तुझे _आशीष_दे, उसको मैं आशीष दूंगा और जो तुझे कोसे, उसे मैं शाप दूँगा। तेरे कारण पृथ्वी के सब कुल _आशीष _ पाएंगे।"
- **4:7** मलिकिसिदक ने अब्राम को _आशीष दी_और कहा, "परमप्रधान परमेश्वर जो स्वर्ग और पृथ्वी का स्वामी है, अब्राम को आशीष दे।"
- **7:3** इसहाक एसाव को **आशीष** देना चाहता था।
- **8:5** यहां तक कि जेल में भी यूसुफ परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य रहा, और परमेश्वर ने उसे **आशीष दी**

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0833, H0835, H1288, H1289, H1293, G17570, G21270, G21280, G21290, G31060, G31070, G31080, G60500

आशेर

तथ्य:

आशेर याकूब का आठवां पुत्र था। उसके वंशज इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक थे, गोत्र का नाम भी "आशेर" था।

- आशेर की माता का नाम जिल्पा था, वह लिआः की दासी थी।
- उसके नाम का अर्थ उन इब्रानी शब्दों का सहार्थ्क है जिनका अर्थ है, "आनन्दित" या "आशिषित"
- आशेर का गोत्र भूमध्य सागर पर कनान के उत्तरीपश्चिमी कोने में बस गया था| जब देश के एक भूभाग के नाम के लिए इस शब्द को काम में लिया जाता है, तब "आशेर" शब्द आशेर गोत्र को दिए गए भूभाग का सन्दर्भ देता है|

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: इस्राएल के बारह गोत्र, याकूब, जिल्पा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 2:1–2
- 1 राजा 4:16
- यहेजकेल 48:1–3
- उत्पत्ति 30:13
- लूका 2:36–38

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0836

आसा

तथ्य:

राजा आसा ने यहूदा पर चालीस वर्ष राज किया था 913–873 ई.पू.।

- आसा एक अच्छा राजा था जिसने देवताओं की मूर्तियों को नष्ट किया और इस्राएलियों को यहोवा की उपासना के लिए प्रेरित किया।
- यहोवा ने आसा को अन्यजातियों के साथ युद्ध में विजय प्रदान की थी।
- बाद में अपने शासनकाल में आसा ने यहोवा पर भरोसा करना बंद कर दिया और रोगग्रस्त होकर अन्ततः मर गया।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 09:14–16
- 1 राजा 15:7–8
- 2 इतिहास 14:1–4
- यिर्मयाह 41:8–9
- मत्ती 01:7–8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H609

आसाप

तथ्य:

आसाप एक लेवीय याजक था साथ ही वह एक प्रतिभाशाली संगीतज्ञ था, उसने राजा दाऊद के भजनों को संगीत से संवारा था। उसने स्वयं भी भजन लिखे थे।

- राजा दाऊद ने आसाप को और दो संगीतज्ञों के साथ मन्दिर की आराधना के लिए भजन तैयार करने का उत्तरदायित्व सौंपा था। इनमें से कुछ भजन भविष्यद्वाणियां थी।
- आसाप ने अपने पुत्रों को भी प्रशिक्षण दिया था कि इस दायित्व को निभाएं, मन्दिर में संगीत वाद्य बजाना तथा भविष्यद्वाणी करना।
- उनके संगीत वाद्य थे, सारंगी, बीणा, नरसींगा और झांझ।
- भजन 50, 73–83 आसाप के भजन माने जाते हैं। संभव है कि इनमें से कुछ भजन उसके परिवार के सदस्यों ने लिखे थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: वंशज, वीणा, वीणा, भविष्यद्वक्ता, भजन, तुरही)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 6:39–43
- 2 इतिहास 35:15
- नहेम्याह 2:8
- भजन 50:1–2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H623

आसिया

तथ्य:

बाइबल के युग में "आसिया" रोमी साम्राज्य के एक क्षेत्र का नाम था। यह स्थान आज के तुर्किस्तान के पश्चिमी भाग में था।

- पौलुस ने आसिया के अनेक स्थानों में यात्रा की और वहाँ अनेक नगरों में सुसमाचार सुनाया था। इन स्थानों में इफिसुस और कुलुस्से थे।
- आज के आसिया के भ्रम से बचने के लिए आवश्यक है कि इस शब्द का अनुवाद इस प्रकार किया जाए, "प्राचीन रोमी प्रान्त आसिया" या "आसिया प्रदेश।"
- प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में जितनी भी कलीसियाओं के नाम हैं, वे सब रोम के आसिया प्रदेश में थी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: रोम, पौलुस, इफिसुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 16:19–20
- 1 पतरस 1:1–2
- 2 तीमुथियुस 1:15–18
- प्रे.का. 06:8–9
- प्रे.का. 16:7
- प्रे.का. 27:1–2
- प्रकाशितवाक्य 1:4–6
- रोमियो 16:5

शब्द तथ्य:

- Strong's: G773

आहाब

तथ्य:

अहाब एक अत्यधिक दुष्ट राजा था जिसने उत्तरी राज्य, इस्राएल पर 875–854 ई.पू. तक राज किया था।

- राजा अहाब ने इस्राएल के लोगों को झूठे देवताओं की पूजा करने के लिए प्रभावित किया।
- भविष्यद्वक्ता एलिय्याह ने अहाब का सामना किया और उसे बताया कि अहाब ने इस्राएल से जो पाप करवाए हैं उनके पापों की सजा के रूप में साढ़े तीन साल तक घोर सूखा पड़ा रहेगा।
- अहाब और उसकी पत्नी इज़ेबेल ने और भी बहुत से बुरे काम किए, जिनमें निर्दोष लोगों को मारने के लिए अपनी शक्ति का उपयोग करना शामिल था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बाल, एलिय्याह, ईजेबेल, इस्राएल का राज्य, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:1–2
- 1 राजा 20:1–3
- 2 इतिहास 21:6
- 2 राजा 9:8

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:02** एलिय्याह भविष्यद्वक्ता था, जब **अहाब** इस्राएली राज्य का राजा था। **अहाब** एक दुष्ट व्यक्ति था जो लोगों को झूठे, बाल नामक देवता की उपासना करने के लिए प्रोत्साहित करता था।
- **19:03** **अहाब** और उसके सैनिक एलिय्याह की ताक में थे, परन्तु वह उसे खोज न सकें।
- __19:05__साढ़े तीन वर्ष के बाद, परमेश्वर का यह वचन एलिय्याह के पास पहुँचा , “जाकर अपने आप को **अहाब** को दिखा, और मैं भूमि पर मेंह बरसा दूँगा

शब्द तथ्य:

- Strong's: H0256

आहेर

परिभाषा:

शब्द "आहेर" प्रायः भोजन हेतु किसी पशु का शिकार करना।

- प्रतीकात्मक अर्थ में “शिकार” शब्द उस मनुष्य के लिए भी काम में लिया जा सकता है जिसका लाभ उठाया जाए, दुरूपयोग किया जाए या अधिक सामर्थी मनुष्य द्वारा उस पर अत्याचार किया जाए।
- मनुष्यों का “शोषण” करना अर्थात उन पर अत्याचार करके लाभ उठाना या उनकी चोरी करना।
- “आहेर” का अनुवाद “शिकार किया गया पशु” या “जिसका शिकार किया गया है” या “शिकार”

(यह भी देखें: सताना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यिर्मयाह 12:7–9
- भजन संहिता 104:21–22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H400, H957, H961, H962, H2863, H2963, H2964, H4455, H5706, H5861, H7997, H7998

आह्वान के लिए कॉल

परिभाषा:

इस अर्थ में, “बुलाना” शब्द का अर्थ किसी व्यक्ति या प्राणी को बुलावा देना है।

आह्वान के लिए कॉल

- बाइबल में अक्सर "बुलाना" का मतलब "बुलावाना " या "आने की आज्ञा" या "आने का अनुरोध" होता है।
- संदर्भ के आधार पर वाक्यांश "बुलाना" का अनुवाद "बुलावाना" या "मदद का अनुरोध करना" या "आने का अनुरोध" के रूप में किया जा सकता है।
- परमेश्वर लोगों को अपने पास आने और उनके लोग बनने के लिए बुलाता है। यह उनकी "बुलाहट" है।
- जब परमेश्वर लोगों को "बुलाते" है, तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने लोगों को अपनी संतान, अपना सेवक और यीशु के द्वारा उद्धार के अपने संदेश कि घोषणा करने वाले होने के लिए नियुक्त या चुना है।
- अभिव्यक्ति, "मैंने तुझे नाम लेकर बुलाया है" इस कथन का अर्थ है कि परमेश्वर ने उस व्यक्ति को विशेष रूप से चुना है।

अनुवाद सुझाव:

- शब्द "बुलाना" का अनुवाद ऐसे शब्द से किया जा सकता है जिसका अर्थ "बुलावाना" होता है, जिसमें जानबूझकर या उद्देश्यपूर्ण ढंग से बुलाने का विचार शामिल होता है।
- जब बाइबल कहती है कि परमेश्वर ने हमें अपने सेवक होने के लिए "बुलाया" है, तो इसका अनुवाद "हमें ख़ास तौर पर चुना" या "हमें अपने सेवक होने के लिए नियुक्त किया" के तौर पर किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति "आपकी बुलाहट" का अनुवाद "आपका उद्देश्य" या "आपके लिए परमेश्वर का उद्देश्य" या "आपके लिए परमेश्वर का विशेष कार्य" के रूप में किया जा सकता है।
- जब परमेश्वर कहते है, "मैंने तुम्हे नाम लेकर बुलाया है," तो इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "मैं तुम्हे जानता हूँ और तुम्हे चुना है।"

(यह भी देखें: जोर से बोलने के लिए बुलाना, नाम पुकारना)

बाइबल संदर्भ:

शब्द विवरण:

- स्ट्रॉन्ग :